Roll No. ..... Total No. of Sections : 3

Total No. of Printed Pages : 6

Annual Online Examination 2021

Code No. : A.B.A-203

B.A. Part II

Hindi Literature

Paper I

[*अर्वाचीन हिन्दी काव्य*]

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 75

नोट : *खण्ड 'अ' अतिलघु उत्तरीय प्रकार का, जिसमें दस प्रश्न हैं, अनिवार्य है। खण्ड 'ब' में लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं एवं खण्ड 'स' में दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। खण्ड 'अ' को सबसे पहले हल किया जाना है।*

खण्ड 'अ'

निम्नांकित अतिलघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दें। **1×10=10**

1. *मैथिलीशरण गुप्त किस धारा के कवि थे?*
2. *महावीरप्रसाद द्विवेदी ने किस पत्रिका का सम्पादन किया?*
3. *किन तान कवियों को वृहतत्रयी के नाम से जाना जाता है? नाम लिखिए।*
4. *'कविता की मुक्ति' को 'मनुष्य की मुक्ति' से देखने का आदर्श किस कवि ने प्रस्तुत किया है?*
5. *छायावाद को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' किस लेखक का कथन है?*

6. *'हरिऔध जी' ने प्रिय-प्रवास में राधा-कृष्ण को किस रूप में चित्रित किया है?*
7. *भारत माता अपने ही घर में प्रवासी की तरह रह रही है? किस कवि का कथन है?*
8. *'झाँसी की रानी' किस कवि की कविता है?*
9. *किस कवि को 'एक भारतीय आत्मा' के नाम से सम्बोधित किया जाता है?*
10. *'साम्राज्ञी का नैवेद्य-दान' किस कवि की रचना है?*

खण्ड 'ब'

निम्नांकित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 150-200 शब्द सीमा में दें। **5×5=25**

1. *'द्विवेदीयुगीन' काव्य की विशेषता लिखिए।*

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

2. *'वर दे वीणा वादिनी' कविता में निहित राष्ट्रीय चेतना को स्पष्ट कीजिए।*

अथवा

अयोध्यासिंह 'उपाध्याय जी' की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए।

3. *'पंत' जी के 'ताज' कविता में निहित व्यंगार्थ को स्पष्ट कीजिए।*

अथवा

सुभद्राकुमारी चौहान के काव्य में राष्ट्रीय भावना पर टिप्पणी लिखिए।

4. *'माखनलाल चतुर्वेदी जी' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए।*

अथवा

श्रीकांत वर्मा की कविताओं में एक सहज लोक राग, आत्मीयता और ऐद्रिकता परिवेश के प्रति गहरा लगाव के कारण है। स्पष्ट कीजिए।

5. *अज्ञेय की कविता में प्रतीक योजना पर टिप्पणी लिखिए।*

अथवा

नई कविता की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

खण्ड 'स'

निम्नांकित काव्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए— **8 × 2 = 16**

1. *वे देश जो हैं आज उन्नत और सब संसार से,*
चौंका रहे हैं नित्य सबको नव नवाविष्कार से।
बस ज्ञान के संचार से ही बढ़ सके हैं, वे वहाँ,
विज्ञान बल से ही गगन में चढ़ सके हैं, वे वहाँ॥

अथवा

धीरे-धीरे संशय से उठ,
बढ़-अपयश से शीघ्र अछोर,
नभव के उर में उमड़ मोह-से
फैल लालसा-से निसि भोर,
इन्द्रचाप सी व्योम भृकुटि पर
लटक मौन चिन्ता-से घोर
घोष भरे विप्लव भय से हम
छा जाते द्रुत चारों ओर!

2. *हँस उठता हूँ जबकि गरीबी के झाड़ों में फल आते हैं।*
रस्ता चलने वाले रुकते वाह-वाह की झर लाते हैं।
दिन भर काम करेंगे मालिक, संझा हुई कि थापें देंगे
सासें दे-देकर बाजार से, बाजी पर अलगोजा लेंगे।
ममता के मेहमान बताओ, कैसे तीरंदाज हो गये?
मेरे मालिक, मेरे अलगोजे से क्यों नाराज हो गये?

अथवा

घर
है कहाँ जिनकी हम बात करते हैं।

घर की बातें

सबकी अपनी हैं

घर की बातें

कोई किसी से नहीं करता

जिनकी बातें होती हैं

वे घर नहीं हैं।

निम्नलिखित दीर्घ उत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (प्रत्येक अधिकतम 350 शब्द) **8 × 3 = 24**

3. *राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रमुख कवियों का उल्लेख करते हुए, उसके भाव पक्ष पर प्रकाश डालिए।*

अथवा

निराला के काव्य में निहित प्रगतिशील चेतना को रेखांकित कीजिए।

4. *'छायावाद के कवियों में प्रकृति के साथ सीधा प्रेम सम्बन्ध पंत जी का ही दिखाई पड़ता है।' आचार्य शुक्ल के इस कथन के आलोक में पंत के प्रकृति प्रेम की चर्चा कीजिए।*

अथवा

माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में निहित राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना पर विचार कीजिए।

5. *प्रयोगवादी काव्य पर प्रकाश डालते हुए, 'अज्ञेय' की भाषा-शैली का वर्णन कीजिए।*

अथवा

हिन्दी की नई कविता आन्दोलन पर प्रकाश डालिए।

❒ ❒ ❒ ❒ ❒ d ❒ ❒ ❒ ❒ ❒